an>

Title:Need to impress upon Government of Uttar Pradesh to procure the paddy from farmers as per laid down rules particularly in Saharanpur district of the State.

श्री राघव लखनपाल (सहारनपुर) ः उत्तर प्रदेश राज्य में धान की पैदावार करने वाले किसान अपनी धान की फसल की बिक्री को लेकर परेशान हैं। राज्य में एक भी जनपद में धान खरीद केंद्र समय से संचालित नहीं हो पाया है।

मेरे जनपद में सहारनपुर में धान क्रय केंद्र खुलने की तिथि निर्धारित तो 01 अक्टूबर की गयी थी, किंतु ये धान क्रय केंद्र नवम्बर माह में ही खुल पाए हैं जबकि जनपद में धान खरीद का लक्ष्य 2300 मीट्रिक टन निर्धारित किया गया था।

14 धान खरीद केंद्र सहारनपुर जनपद में राज्य सरकार द्वारा खोले गये और उन सभी केंद्रों में किसान की धान की फसल खरीदने में केंद्रों पर तैनात कर्मचारियों द्वारा कथित रूप से आनाकानी की जाती है और अधिकांश किसानों को बैरंग ही लौटा दिया जाता है जिस कारण किसान अपनी फसल को बाजार में औने-पौने मूल्य में बेचने को विवश हो रहे हैं। उदाहरण के रूप में धान खरीद का सरकारी मूल्य जहां 1410 रूपए से 1440 रूपए निर्धारित था लेकिन बाजार में मूल्य 1000 रूपए से 1100 रूपए प्रति क्विंटल की दर से किसान अपनी फसल बेचने को बाध्य हैं।

सहारनपुर में अब तक मात्र 450 मीट्रिक टन धान खरीदा जा सका है और जनपद में धान उत्पादन का जहां एक प्रमुख स्थल होता था, 150 से ज्यादा चावल मिल्स जनपद में स्थापित थीं, वहीं वर्तमान में मात्र 14 चावल मिल्स ही संचालित हैं।

अतः मेरा केंद्र सरकार से अनुरोध है कि केंद्र सरकार उत्तर प्रदेश की सरकार को निर्देश जारी करे कि धान की पैदावार करने वाले किसानों की फसलों की खरीद सही तरीके से हो और धान क्रय केंद्रों पर कथित रूप से किसानों का उत्पीड़न करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो।